।। नव योग ।।

ॐ अथातो ब्रह्म जिज्ञासा

१. नाम ---------- सहज - भक्ति.

२. पाठ ---------- अनुभव - सिद्धि.

३. जाप ---------- भौतिक - आध्यात्मिक विकास.

४. यज्ञ ----------पर्यावरण एवम् अंतःकरण शुद्धि.

५. तप ---------- पंचतत्व - विश्वशुद्धि.

६. व्रत ---------- अनुशासन - अनुभूति.

७. सेवा ---------- ब्रह्माणड चेतना - सिद्धी.

८. संकिर्तन ---------- परम आनंद - दिव्य अनुभूति.

९. योग ---------- भोग - रोग - निवृति.